IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, April 2025
Impact Factor: 7.67

साइबर अपराध एक सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।

प्रतिभा यादव

शोध छात्रा, शिक्षाशास्त्र, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, म.प्र.

डॉ. नितिन बाजपेयी

सहायक प्रोफेसर, बी.एड. विभाग, महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदोई।

सारांश –आज के डिजिटल युग में तकनीकी प्रगति ने जहां हमारे जीवन को आसान बनाया है वहीं इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं इन्हीं में से एक है साइबर अपराध, जो समाज के लिए गंभीर चुनौती है। साइबर अपराध में तकनीकी का सहारा लिया जाता है लेकिन इसका संबंध केवल तकनीकी ज्ञान से नहीं है, बल्कि अपराधियों की सामाजिक स्थिति एवं उनकी मानसिकता और पीड़ितों की मनोवैज्ञानिक स्थिति से भी होता है, साइबर अपराध तकनीकी प्रगति के साथ एक गंभीर सामाजिक समस्या भी बन गयी है। यह अपराध केवल तकनीकी पहलुओं तक सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे अपराधियों की सामाजिक स्थिति एवं मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं यह शोध पत्र साइबर अपराध के सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक पहलुओं का विश्लेषण करता है जिसमें अपराधियों की सामाजिक स्थितियां एवं उनकी मानसिकता, उनकी प्रेरणाएँ और पीड़ितों पर पड़ने वाले सामाजिक और मानसिक प्रभाव शामिल हैं साइबर अपराधी विभिन्न सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारणों से अपराध करते हैं जैसे– बेरोजगारी, आर्थिक लालच, शक्ति की इच्छा, मनोरोगी प्रवृत्तियां, डिजिटल साक्षरता की कमी, सामाजिक असमानता एवं प्रतिशोध, सामाजिक अलगाव, जोखिम लेने की प्रवृत्ति, सोशल मीडिया का प्रभाव, समाज की उदासीनता, साइबर अपराध का आसान और कम खर्चीला स्वरूप, अपराधी की मानसिक विकृति, डिजिटल नशा और इंटरनेट की लत आदि। इन अपराधों के कारण पीड़ितों में चिंता, अवसाद, आत्मसम्मान में कमी, आत्महानि, पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में दरार, समाज में अविश्वास और डर का माहौल, सामाजिक शर्मिंदगी, अपराध बोध, डिजिटल फोबिया और पोस्ट– ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर जैसे मानसिक विकार देखे जाते हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों पर चर्चा की गई है साथ ही साइबर अपराध को रोकने के लिए सामाजिक और मनोवैज्ञानिक उपायों जैसे – साइबर जागरूकता, डिजिटल नैतिकता, काउंसलिंग, सामुदायिक सहभागिता, संज्ञानात्मक व्यवहार तकनीकी, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, मनोविकार प्रवृत्ति और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण पर प्रकाश डाला गया है। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य साइबर अपराध को केवल तकनीकि समस्या न मानकर इसे एक मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्या के रूप में भी समझना चाहिए , इसका विश्लेषण करना है। अपराधियों की सामाजिक स्थिति और मानसिकता और पीड़ितों के मनोवैज्ञानिक स्थिति को समझकर इस समस्या का प्रभावी समाधान खोजा जा सकता है।

मुख्य शब्द : साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा, सामाजिक–मनोवैज्ञानिक पहलू, साइबर मनोविज्ञान, साइबर जागरूकता

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-25054